मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 159, मुंबई, गुरुवार, 28 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर
शुध्द घी में बना
केसरीया
घेवर

काजु कतरी, काजु रोल, बदाम बर्फी,
बदाम रोल, केसर पेडे, पिस्ता लॉज,
मिलेगा.
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501 98208 99501

बंगाल में फिर खेला होबे?

मिथुन चक्रवर्ती का दावा

मिथुन चक्रवर्ती के बयान पर अब टीएमसी सांसद शांतनु सेन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती मानसिक रूप से बीमार हैं। मुझे पता चला था कि उन्हें कुछ दिनों पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था

टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में, सियासी हलचल तेज

मुंबई हलचल / संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भाजपा नेता और फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज हस्तियों में शुमार मिथुन चक्रवर्ती ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कोलकाता में एक बड़ा बयान देकर बंगाल की राजनीति में हलचल मचा दी है। पहले उन्होंने पूछा कि क्या आपको ब्रेकिंग न्यूज चाहिए? इसके बाद उन्होंने कहा कि आज के वक्त में तृणमूल कांग्रेस के करीब 38 विधायकों के हमारे साथ अच्छे रिश्ते हैं। इनमें से करीब 21 तो हमारे सीधे संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि यह तो अभी म्यूजिक लॉन्च है, फिल्म की धमाकेदार रिलीज तो अभी बाकी है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

स्पाइसजेट के खिलाफ डीजीसीए की बड़ी कार्रवाई

8 हफ्तों के लिए 50 प्रतिशत उड़ानों पर लगाई रोक

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। पिछले कुछ समय से स्पाइसजेट विमानों में लगातार आ रहीं तकनीकी गड़बड़ियों पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) एक्शन में आ गया है। डीजीसीए ने अहम फैसला लेते हुए स्पाइसजेट की 50 प्रतिशत उड़ानों पर आठ हफ्तों के लिए रोक लगा दी है। डीजीसीए ने 6 जुलाई को स्पाइसजेट को 19 जून से अपने विमान में तकनीकी खराबी की कम से कम आठ घटनाओं के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस अवधि में स्पाइसजेट के विमानों पर डीजीसीए अतिरिक्त निगरानी रखेगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

छोटा शकील का नाम लेकर कारोबारी से जबरन वसूली के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने यहां एक व्यापारी से 50 लाख रुपये की जबरन वसूली करने और गैंगस्टर छोटा शकील के साथ संबंधों का हवाला देकर उसे धमकाने के आरोप में बुधवार को गुजरात के सूरत से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने एक आरोपी को 13 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन उसे पैसे वापस करने के बजाय आरोपी ने अपने दो सहयोगियों के साथ मिलकर उसे धमकी दी और जबरन वसूली कोशिश की। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिंदे-फडणवीस सरकार का बड़ा फैसला

महाराष्ट्र में ‘प्लास्टिक-कोटेड व लेमिनेटेड’ उत्पादों पर प्रतिबंध

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार इस्तेमाल कर फेंकने वाले कप-प्लेट जैसे ‘प्लास्टिक-कोटेड और लेमिनेटेड’ उत्पाद बुधवार से प्रतिबंधित कर दिया गया। यह जानकारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति से मिली। यह निर्णय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा मंगलवार को बुलाई गई एक बैठक में लिया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

उम्मीद से खिलवाड़

इन दिनों हम सबसे ज्यादा उम्मीदें अपने खिलाड़ियों से बांधते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा नौजवानों वाला देश खेल प्रतिस्पद्धाओं में पीछे रह जाए, इसे हम सहज स्वीकार नहीं कर पाते। इसलिए यह उम्मीद बांधी जाती है कि हमारी सरकारें, हमारे खेल संगठन आगे आने वाले खिलाड़ियों को हर मुमकिन मदद देंगे। सरकारें भी कोई कसर न छोड़ने के संकल्प लेती दिखाई देती हैं। लेकिन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को जिस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वह बताता है कि ये संकल्प जमीन पर पहुंचने से पहले ही किस तरह दम तोड़ देते हैं और खिलाड़ियों के सपने किस तरह नौकरशाही के जाल में फंसकर रह जाते हैं। राष्ट्रमंडल खेल लगभग शुरू ही होने वाले हैं और लवलीना का नाम उन कुछ खिलाड़ियों में है, जिनसे देश स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद कर रहा है। लवलीना ने ट्वीट करके बताया है कि उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें अपने निजी कोच से प्रशिक्षण लेने नहीं दिया जा रहा। उनके एक कोच को भारत वापस भेज दिया गया है और दूसरी कोच, जो द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हैं, उन्हें खेल गांव के अंदर नहीं आने दिया जा रहा, क्योंकि उन्हें अभी तक मान्यता कार्ड ही नहीं मिला। लवलीना के ट्वीट का असर यह जरूर हुआ है कि खेल मंत्रालय तक के कान खड़े हुए हैं और मान्यता कार्ड वगैरह जल्द दिए जाने के आदेश जारी हो गए हैं, वरना बॉक्सिंग एसोसिएशन तो नियमों का हवाला देकर अपनी असमर्थता जता रहा था। लवलीना ऐसी पहली खिलाड़ी नहीं हैं, जिन्होंने इस तरह की शिकायत की हो। शिकायतें पहले भी आती रही हैं और ऐसी शिकायतें करने वालों में कई बडे. नाम भी रहे हैं। लेकिन जिस तरह से लवलीना ने इस मामले को ठीक स्पर्द्धा के वक्त देश के सामने उठाया है, उसने खेल प्रशासकों के लिए परेशानी तो खड़ी कर ही दी है। लवलीना वास्तव में इस दौर की एक प्रतिनिधि खिलाड़ी हैं। वह असम के एक बहुत कम चर्चा में रहने वाले जिले गोलाघाट के ऐसे निम्न मध्यवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी हैं, जहां अभी तक लोग इतनी बड़ी कामयाबी के सपने भी नहीं देख पाते थे। ऐसी पृष्ठभूमि में रहते हुए उन्होंने ओलंपिक पदक जीतने का जो जज्बा अपने भीतर पैदा किया और उसके लिए जो मेहनत की, उसके लिए पूरा देश हमेशा लवलीना बोरगोहेन का कृतज्ञ रहेगा। सच तो यह है कि पिछले कुछ साल में दुनिया भर में नाम कमाने वाले हमारे ज्यादातर खिलाड़ी ऐसी ही पृष्ठभूमि के हैं। ये खिलाड़ी जब देश के लिए पदक जीतते हैं, तब उन्हें हर तरह की मदद देने की घोषणाएं की जाती हैं। लेकिन असलियत में उनके साथ क्या होता है, यह लवलीना के एक ट्वीट ने जगजाहिर कर दिया है। शिकायत के लिए लवलीना को ट्विटर का सहारा लेना पड़ा, यह भी अपने आप में बहुत कुछ कहता है। इसका अर्थ यही है कि हमारे खेल तंत्र में ऐसी पुख्ता व्यवस्था नहीं है, जहां उपलब्धियों वाले और संभावनाशील खिलाड़ियों की सुनवाई हो सके। अपने ट्वीट में लवलीना ने यह भी कहा है कि वह हाथ जोड़कर कह रही हैं, लेकिन कोई उनकी बात सुन ही नहीं रहा। जब तक हम देश में ऐसा खेल तंत्र नहीं बना लेते, जो खिलाड़ियों की बात पूरी हमदर्दी से सुने और उन्हें समाधान दे, तब तक अंतरराष्ट्रीय खेलों में उनके प्रदर्शन पर उंगली उठाने का कोई अर्थ नहीं।

चर्चिल के ब्रिटेन में ऋषि सुनक का क्या काम?

ब्रिटेन के गोरे दुविधा में होंगे। आखिर वे एक तरफ लोकतंत्र, बुद्धि, ज्ञान-विज्ञान, काबलियत को पूजने के संस्कारों से इक्कीसवीं सदी में समावेशी मिजाज में जिंदगी के राजभोग खा रहे हैं वहीं एक अश्वेत हिंदू को प्रधानमंत्री बनाने के विकल्प पर फैसला लेना है। ये गोरे उमा भारती, सुषमा स्वराज या संघ परिवार जैसे हिंदू नहीं हैं, जिन्हें सोनिया गांधी के प्रधानमंत्री बनने की संभावना से ही गुलामी लौटती लगी थी। न ही उन भयाकुल हिंदुओं जैसे हैं, जो डरें कि मुसलमानों की बढ़ती आबादी से ब्रिटेन में इस्लामी राज बनेगा। या इस तरह सोचना कि राजधानी लंदन के मेयर सादिक अली ब्रिटेन में इस्लामी राज की दस्तक हैं। हां, भारत और ब्रिटेन के मोदी भक्त हिंदू सोशल मीडिया में लिखते रहते हैं कि ब्रिटेन में तो शरिया राज होगा। लेकिन वे ही हिंदू अब गर्व से, छाती फुलाए नगाड़े बजा रहे हैं कि देखो हिंदुओं की विश्व गुरुता जो ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन रहे हैं। नरेंद्र मोदी हैं तो सब मुमकिन है! आश्चर्य नहीं होगा कि जिस दिन ऋषि सुनक वहां प्रधानमंत्री चुने जाएं तो नरेंद्र मोदी छाती फुलाए हुए इस टैग लाइन के साथ बधाई संदेश में हिंदुओं को वैश्विक संदेश दें कि जब सुनक शपथ लें तब के समय दुनिया के हिंदुओं ताली-थाली बजाओ, दीपक जलाओ। ब्रिटेन में भगवा फहरा। ब्रिटेन के हिंदू अपने घरों पर दीये जलाएं!

इस तरह की बेहूदगी नामुकिन नहीं है। हिंदू राजनीति की मौजूदा तासीर में इसी तरह की जहालतें-काहिली भरी हुई है। नरेंद्र मोदी और लंदन में उनके भक्त ऋषि सुनक की इवेंट को भुनाने की हर संभव वैसी बेहूदगियां करेंगे, जिससे खुद ऋषि सुनक सिर पीटेंगे तो ब्रितानी गोरे, भक्तों की फूहड़ता देख सोचेंगे कि उनका नया प्रधानमंत्री ब्रिटेन को कहीं वैसा ही नहीं बना दे, जैसे नरेंद्र मोदी भारत को बना रहे हैं! तभी मुझे खटका है कि कंजरवेटिव पार्टी के जमीनी नेता ऋषि सुनक की तमाम खूबियों के बावजूद उन्हें नहीं चुनेंगे। भारत की हिंदू राजनीति के कलंकों से एक प्रवासी हिंदू का अवसर मारा जा सकता है। मैं यह तो नहीं मानता कि ऋषि सुनक और प्रीति पटेल ने बोरिस जॉनसन के मंत्री रहते हुए भारत के लोकतंत्र में नरेंद्र मोदी के प्रयोगों के खिलाफ एलर्जी नहीं दिखा कर अपने राजनीतिक करियर को ब्लॉक किया। बावजूद इसके यह गारंटी से कहा जा सकता है कि जो समाज 'बीबीसी', 'गार्जियन', 'डेली मेल', 'द टाइम्स', 'इकोनोमिस्ट' जैसे मीडिया से देश-दुनिया की खबर रखता है उसके गोरों और मुसलमानों, अश्वेतों सभी में भारत के मोदी राज से कुछ तो हिंदू के प्रति वह निगेटिविटी होगी, जिसे अपने महानायक प्रधानमंत्री चर्चिल की जुबानी 1947 से पहले सुना था। याद करें चर्चिल के ये वाक्य, वे जानवर जैसे लोग हैं.यदि भारत को आजादी दी जाती है, तो सत्ता का पॉवर बदमाशों, दुष्टों, लुटरों के हाथों में होगा। कम बुद्धि के छिछोरे-मूर्ख नेता होंगे। वे बाते मीठी करेंगे और मूर्ख दिल लिए हुए होंगे। वे सत्ता के लिए आपस में लड़ेंगे और भारत एक दिन राजनीतिक झगड़ों में खो जाएगा। एक दिन वह आएगा जब भारत हवा-पानी पर भी टैक्स लगाए हुए होगा। चर्चिल ने गांधी की लीडरशीप को ले कर भी बहुत कहा था तो भारत के मुसलमानों को हिंदुओं से बेहतर बताया था। (सोचें, यदि सुनक भी मोदी जैसे सोचने वाले हुए तो लंदन में चर्चिल (गांधी-नेहरू की भी लगी हुई है) की मूर्ति हटवा कर वे पटेल की मूर्ति लगवाएंगे या सुभाष बोस की?) बाद में ब्रितानियों और सन 2020 में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने भी भारत की आजादी के संघर्ष तथा गांधी पर चर्चिल के स्टैंड को लेकर सफाई दी थी। ध्यान रहे बोरिस जॉनसन, ऋषि सुनक उसी कंजरवेटिव पार्टी के नेता हैं, जिसके आदर्श विंस्टन चर्चिल हैं। इसलिए मेरे लिए रोमांच और गौरव दोनों में यही बात बहुत बड़ी है जो हिंदू ऋषि सुनक इस पार्टी के सांसदों में प्रधानमंत्री पद के लिए सर्वाधिक लायक माने गए। जो चर्चिल हिंदुओं को सत्ता के भूखे, ढोंगी, मूर्ख मानते थे उनके गोरे वारिस यदि ऋषि सुनक को लायक मान रहे हैं तो मेरे जैसे सनातनी हिंदुओं के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है?

लेकिन ऋषि सुनक और दुनिया में तमाम सभ्य हिंदू नागरिक आज उस हिंदुत्व राजनीति की प्रतिछाया में जी रहे हैं, जिससे सभ्य समाजों में सवाल है कि तुम गांधी-नेहरू छाप हिंदू हो या नरेंद्र मोदी छाप! ब्रिटेन के गोरे समाज के अवचेतन में भारत में मोदी सरकार के तौर-तरीकों, हिंदू राजनीति के पिछले आठ साला अनुभवों की क्या गूंज नहीं होगी? ब्रिटेन की वैश्विक गौरव वाली जिस एमनेस्टी इंटरनेशनल को मोदी सरकार ने लात मार कर भारत से बाहर किया, 'गार्जियन', 'बीबीसी' आदि के मीडिया ने जैसे ब्रितानी समाज को नोटबंदी, महामारी में गंगा किनारे लाशों के ढेर, सोनिया गांधी के साथ दुर्व्यवहार, भारत में लोकतंत्र के बाजे बजने के असंख्य किस्से अपने मीडिया से लगातार पढ़ाए-सुनाए-दिखाए हैं वह समाज क्या हिंदू ऋषि सुनक के चेहरे में नरेंद्र मोदी की सोच के अंश तलाशता हुआ नहीं होगा? ऋषि सुनक ने अपने आपको ब्रिटेन की लौह महिला प्रधानमंत्री माग्रेट थैचर का अनुयायी बताया है। संदेह नहीं है कि बतौर वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने आर्थिकी-वित्तीय मामलों पर जो पकड़ दिखाई है और ब्रितानी थिंकटैंक के श्रेष्ठिजनों में अपनी विद्वता, ऑक्सफोर्ड में पढाई को शासन के अपने राजकाज से जैसे प्रमाणित किया है उसके वहां लोग कायल हैं। जैसे पंडित नेहरू ने ब्रितानियों का दिल जीता हुआ था। 1947 के बाद तो चर्चिल भी नेहरू की हैरो में पढ़ाई के हवाले उन्हें सहयोग देने का वादा करते हुए थे। उन्होंने नेहरू को सलाह दी थी कि वे एशिया की ज्योति बनें। करोड़ों लोगों को बताएं कि वे साम्यवाद के अंधकार को अपनाने के बजाय कैसे चमचमा सकते हैं। हिसाब से ऋषि सुनक ब्रितानी समाज में भी उम्मीद की शख्सियत बने हैं। लेकिन ब्रिटेन और खासकर कंजरवेटिव पार्टी में माग्रेट थैचर की रीति-नीति, आर्थिकी के जलवे के बावजूद पहली प्राथमिकता देश की लोकतांत्रिक विरासत, उसके मूल्यों, वैश्विक गौरव और आदर्शों की है। ब्रिटेन बिना लिखित संविधान का देश है। परंपराओं और जन-जन की आवाज के साथ मर्यादाओं में जीने वाला देश है। मौजूदा प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन बहुत लोकप्रिय थे। उनसे चुनाव में पार्टी की रिकार्ड तोड़ जीत हुई। लेकिन कोविड महामारी के लॉकडाउन वक्त में अपने प्रधानमंत्री निवास पर मंत्रियों (ऋषि सुनक भी थे) दोस्तों के साथ ड्रिंक पार्टी की। उसकी मीडिया में खबर छप गई तो देश-समाज में प्रधानमंत्री की मर्यादा के ऐसे सवाल बने कि पुलिस से लेकर संसदीय कमेटी, मीडिया सभी से खुलासे और निंदा। सत्ता पर बने रहने की बोरिस जॉनसन की हर तरह की कोशिश के बावजूद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। और देखिए ब्रितानी लोकतंत्र का कमाल, जो सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर भी सांसद-पार्टी नेता यह कहते मिले कि प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति का अपने निवास पर लॉकडाउन के वक्त पार्टी करना शोभनीय नहीं। उनका छोटा झूठ भी स्वीकार्य नहीं। प्रधानमंत्री हैं तो इस मनमानी का अधिकार नहीं कि जनता तो लॉकडाउन से घर में रहे और पीएम घर पर पार्टी करें! तुलना करें बोरिस जॉनसन के वक्त के इस ब्रिटेन की अपने नरेंद्र मोदी के वक्त के भारत से! क्या भारत में कोई मीडिया प्रधानमंत्री के घर में क्या हो रहा है, इसकी खबर छाप सकता है? दिल्ली की पुलिस क्या स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस की तरह खबर जान अपने आप पीएम निवास के घर की घटना की जांच कर सकती है? कह सकती है कि प्रधानमंत्री ने झूठ बोला? तभी ऐसे ब्रितानी लोकतंत्र में एक हिंदू का प्रधानमंत्री बन सकना अनहोनी बात होगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद पर ऋषि सुनक की नियुक्ति का अर्थ है एक रियल वैश्विक महाशक्ति का प्रमुख। जी-7 ग्रुप का सदस्य। संयुक्त राष्ट्र में वीटो पॉवर लिया हुआ प्रधानमंत्री। रूस बनाम यूक्रेन की लड़ाई में नाटो देशों, पश्चिमी समाज को नेतृत्व देने वाला! चीन में चिंता पैदा करने वाला प्रधानमंत्री।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9821238815
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एमआईएम के कलवा मुंब्रा अध्यक्ष सैफ पठान के नेतृत्व में कचरा डंपिंग के विरोध में किया गया भूख हड़ताल

...लेकिन राजनीतिक षड्यंत्र के कारण दो घंटे के भीतर मुंब्रा पुलिस द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया रद्द

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। बीते चार महीनों से एमआईएम पार्टी द्वारा मुंब्रा शहर की सड़क के दरमियान मित्तल ग्राउंड में अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कचरों का ढेर लगाया जा रहा था जिसका विरोध एमआईएम पार्टी के कलवा मुंब्रा अध्यक्ष सैफ पठान और ट्रेजर जावेद सिद्दीकी द्वारा पुरजोर विरोध किया जा रहा था और पत्र व्यवहार कर मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति में लगातार शिकायतें की जा रही थी परिणाम स्वरूप यह होता था कुछ वक्त के लिए कचरा सड़क पर डालने का काम अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बंद कर दिया जाता लेकिन फिर उसके बाद कचरा मित्तल ग्राउंड की सड़क पर ढेरों के हिसाब से देखने को मिलता जिसके कारण राहगीरों को चलना दुश्वार हो गया था कचरों से निकलने वाली दुर्गंध ने स्थानिक रहवासियों का जीना हराम कर दिया था क्योंकि गंदगी के कारण उत्पन्न होने वाली प्राणघातक बीमारियां टाइफाइड डेंगू मलेरिया कभी भी पैर पसार सकते थे लेकिन प्रशासन द्वारा अनदेखा किया जा रहा था इसका लगातार विरोध करते हुए एमआईएम पार्टी ने भूख हड़ताल करने का निर्णय लिया और इसकी सूचना बीते 7 दिन पहले मुंब्रा पुलिस को दे दी गई थी और अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की जा रही थी गत 27 जुलाई बुधवार को एमआईएम पार्टी के कलवा मुंब्रा अध्यक्ष सैफ पठान के नेतृत्व में आठ लोगों समेत भूख हड़ताल पर बैठा गया एमआईएम के ट्रेजर जावेद सिद्दीकी, लिसान अंसारी, शोएब डोंगरे,नासिर भाई, मुशीर भाई, अहमद नेता इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए सैफ पठान ने बताया कि हम लोगों ने मुंब्रा

पुलिस को बीते 7 दिन पहले पत्र व्यवहार कर यह अवगत कराया था कि अभिषेक कंस्ट्रक्शन के मालिक पर एफआईआर दर्ज की जाय उसके बाद मुंब्रा शहर की सड़क के दरमियान मित्तल ग्राउंड में जो कचरा डाला जा रहा था उसकी सफाई तो कर दी गई लेकिन यह कचरा यहां से हटा कर मित्तल ग्राउंड के अंदर में डाला जा रहा है उसका भी हम निषद करते हैं हमको मुंब्रा शहर में कहीं पर भी कचरा डंपिंग किसी भी कीमत पर नहीं चाहिए अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी मुंब्रा शहर छोड़ कर बाहर कहीं पर भी कचरा डंपिंग करें उस पर हम को कोई आपत्ति नहीं है उन्होंने बताया 6% लोग टीबी जैसी बीमारियों का शिकार हो चुके हैं उसका जिम्मेदार कौन होगा क्या अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी जो भी लोग उनके कचरा डंपिंग के कारण बीमार हुए हैं क्या उनको हजार्ना देगी या मुंब्रा प्रभाग समिति हजार्ना देगी आज हम लोग भूख हड़ताल पर मात्र इसलिए बैठे हैं कि अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी जो मुंब्रा शहर वासियों के साथ उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है इसको कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा डेंगू मलेरिया टाइफाइड जैसी भयंकर बीमारियां उत्पन्न हो रही है उसका जिम्मेदार कौन होगा बीते चार महीनों से हम लोगों को सिर्फ मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा सिर्फ लॉलीपॉप दिया जा रहा है जबकि कानून के अनुसार आर्टिकल 270 के तहत सड़क के दरमियान कचरा डंपिंग नहीं किया जा सकता फिर भी मुंब्रा शहर में अंधेर नगरी है चौपट राजा है टका सेर भाजी है टका सेर खाजा है किस तरह से कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है यह साफ देखा जा सकता है गौरतलब बात यह है दो घंटे बाद मुंब्रा पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया और यह कहां गया क्या आपको धरना प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी गई है अगर आपको धरना प्रदर्शन करना है तो उसकी अनुमति मनपा प्रशासन से लेनी होगी उसके बाद एमआईएम के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को दो घंटे बाद मुंब्रा पुलिस स्टेशन ले जाकर छोड़ दिया गया मुंब्रा पुलिस स्टेशन में पत्रकारों से बात करते हुए सैफ पठान ने बताया की राजनीतिक षड्यंत्र के कारण हम लोगों को भूख हड़ताल पर बैठने के लिए नहीं दिया गया। जबकि हमारा संवैधानिक अधिकार है हम लोगों द्वारा मुंब्रा शहर वासियों के स्वास्थ्य के साथ अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा खिलवाड़ को लेकर यह भूख हड़ताल की जा रही थी लेकिन राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस ने हमको धरना प्रदर्शन नहीं करने दिया उन्होंने बताया हमने लगातार पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश की गई कि अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिकों पर एफआईआर दर्ज की जाए परंतु एफआईआर दर्ज नहीं की जाती क्या उनके पास बीच सड़क के दरमियान कचरा डंपिंग करने की परवानगी है उनके लिए कोई कानून नहीं क्योंकि सब मिलीभगत है सब जनता का टैक्स का पैसा मिल बांट कर खा रहे हैं एमआईएम के पूर्व नगरसेवक शाह आलम ने बताया कि अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी को सालाना 15.50 करोड़ मनपा प्रशासन से कचरा सफाई के लिए मिलता है फिर भी मुंब्रा शहर में कचरा और गंदगी का अंबार लगा हुआ है आखिर इतना पैसा जाता कहां है इतने पैसों में तो हो मुंब्रा शहर को गोवा बना देना चाहिए लेकिन भ्रष्टाचारी के चलते मुंब्रा शहर वासियों को सिर्फ लूटा जा रहा है और सुविधा के नाम पर बाबाजी का ठुल्लू दिया जा रहा है एमआईएम के सैफ पठान ने बताया की लड़ाई हमारी जारी रहेगी हम किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी और मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति से लड़ाई हमारी जारी रहेगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

बंगाल में फिर खेला होबे?

भाजपा विधायकों की बैठक के बाद मिथुन ने आरोप लगाया कि 2021 में हुए विधानसभा चुनाव को जबरदस्ती जीता गया था। टीएमसी पर चुनावों में धांधली और गुंडागर्दी के बल पर चुनाव जीतती आई है। उन्होंने सवाल किया कि अगर पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी और ममता बनर्जी को इतना ही पसंद करती है, तो मतदाताओं को डराया-धमकाया क्यों जाता है? उन्होंने कहा कि चुनाव में टीएमसी के कितने लोग चुनकर आए? आपको बड़ी सफलता मिली, लेकिन मेरा एक सवाल है कि इतने लोग अगर आपसे प्यार करते हैं और आप लोगों के प्यार के कारण चुनाव जीतकर आए हैं, तो फिर आप लोग डरते क्यों हैं? उन्होंने कहा कि प्यार का बम तो परमाणु बम से भी ज्यादा बड़ा है। आप लोगों को क्यों डराते हैं कि चुनावों में अगर पीएम मोदी या भाजपा को वोट दिया तो गला काट देंगे, हाथ काट देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में अगर बिन किसी के डर के और निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं तो टीएमसी और ममता दीदी की सरकार चली जाएगी। इसके बाद क्या होगा? आपको भी पता है। बंगाल में भाजपा सत्ता में आ जाएगी। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद प्रतिमा मंडल ने बुधवार को लोकसभा में दावा किया कि देश में नफरत और हिंसा का माहौल बढ़ाया जा रहा है।

शिंदे-फडणवीस सरकार का बड़ा फैसला

महाराष्ट्र ने पहले ही एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन यह देखा गया है कि एक बार इस्तेमाल करके फेंकने वाले कप-प्लेट आदि और 'प्लास्टिक कोटिंग या लेमिनेशन' वाले अन्य उत्पाद बेचे जा रहे थे। ये उत्पाद कचरे को बढ़ा रहे थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक जुलाई से एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर केंद्र सरकार द्वारा लगाये गए प्रतिबंध को लागू करने के लिए गठित अधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया था। महाराष्ट्र में एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध 2018 से लगा हुआ है और नया नियम ऐसे उत्पादों की प्रकृति के बारे में अस्पष्टता को दूर करने के लिए लागू किया गया है।

स्पाइसजेट के खिलाफ डीजीसीए की बड़ी कार्रवाई

बुधवार को विमानन नियामक ने अपने आदेश में कहा कि विभिन्न स्थलों की जांच, निरीक्षण और स्पाइसजेट की ओर से जमा कराए गए कारण बताओ नोटिस के जवाब के मद्देनजर, सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन सेवा के निरंतर निर्वाह के लिए स्पाइसजेट की गर्मियों के लिए स्वीकृत उड़ानों की संख्या आठ हफ्तों तक 50 फीसदी पर सीमित की जाती है। डीजीसीए ने जब स्पाइसजेट को नोटिस थमाया था, तब उसने कहा था कि स्पाइसजेट एयरलाइन विमान नियम, 1937 की 11वीं अनुसूची और नियम 134 की शर्तों के तहत सुरक्षित, दक्ष और विश्वसनीय हवाई सेवाओं को सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। नोटिस में कहा गया, घटनाओं की समीक्षा से पता चलता है कि आंतरिक सुरक्षा निरीक्षण खराब है और रखरखाव को लेकर पर्याप्त कदम नहीं (चूंकि ज्यादातर घटनाएं कलपुर्जों या प्रणाली के काम न करने से संबंधित हैं) उठाए जाने से सुरक्षा में कमी आई है। डीजीसीए ने स्पाइसजेट को नोटिस का जवाब देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया था।

छोटा शकील का नाम लेकर कारोबारी से जबरन वसूली के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

अधिकारी ने कहा कि मुंबई अपराध शाखा के जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ (एईसी) ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान असलम नवीवाला (63), इलियास कपाड़िया (42) और मिर्जा आरिफ बेग (52) के रूप में हुई। उन्होंने कहा कि नवीवाला का बेटा एहतेशम मामले में वांछित है। अधिकारी ने कहा कि 45 वर्षीय व्यवसायी ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसने अलग-अलग लोगों से रकम जुटाकर अपने व्यवसाय के लिए 13 करोड़ रुपये नवीवाला को दिए थे। उन्होंने कहा, बाद में, जब भी उसने नवीवाला से अपने पैसे वापस मांगे, तो उसने देने से इनकार कर दिया। नवीवाला, कपाड़िया और मिर्जा के साथ मिलकर गैंगस्टर छोटा शकील का नाम लेकर उसे धमकाता था। एक बार व्यवसायी को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से कॉल भी आया, जिसमें फोन करने वाले ने उसे नवीवाला से पैसे नहीं मांगने को कहा।

उमेश कोल्हे मर्डर के आरोपी शाहरुख पठान पर हमला, मुंबई की आर्थर रोड जेल में 5 कैदियों ने किया अटैक

मुंबई। आर्थर रोड जेल में एक बार फिर से एक आरोपी पर जानलेवा हमला हुआ है। जानकारी के मुताबिक आरोपी शाहरुख पठान के ऊपर पांच कैदियों ने हमला किया है। आपको बता दें कि शाहरुख पठान को महाराष्ट्र के मेडिकल व्यवसाई उमेश कोल्हे की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया है। उसे एनआईए ने गिरफ्तार किया था। आरोपी शाहरुख पठान के ऊपर हमले के बाद मुंबई के एनएम जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया गया है। शाहरुख की बैरक में रहने वाले अन्य आरोपियों ने ही उस पर जानलेवा हमला किया है। फिलहाल आरोपियों को अलग-अलग बैरक में शिफ्ट कर दिया गया है। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में रहने वाले मेडिकल व्यवसायी उमेश कोल्हे की बीजेपी की नूपुर शर्मा का समर्थन करने की वजह से हत्या कर दी गई थी। जब उसने यह बात बैरक में मौजूद अन्य कैदियों को बताई। तब बैरक में मौजूद कैदी कल्पेश पटेल, हेमंत मनेरिया, अरविंद यादव, श्रावण आडव और संदीप जाधव ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। शाहरुख पठान आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर सात में बंद था।

पूर्व विधायक दीपक पटेल की लगातार जनसुनवाई जारी

मुंबई हलचल /विद्या शंकर शुक्ला

प्रयागराज। फूलपुर सांसद केसरी देवी पटेल के पुत्र पूर्व विधायक करछना दीपक पटेल ने अपने आवास पर मंगलवार को फिर एक बार जनसुनवाई की फूलपुर संसदीय क्षेत्र से आये तमाम लोगों की समस्या को सुनकर उनका निस्तारण कराया व कुछ मामलों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व विधायक दीपक पटेल ने कहा कि सांसद सत्र चलने की वजह से सांसद जी दिल्ली में हैं। उनके न रहने पर मेरी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। नरेंद्र मोदी और योगी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता बनकर पूरी जिंदगी जनता की सेवा करता रहूंगा। गौरतलब है कि फूलपुर सांसद के पुत्र पूर्व विधायक दीपक पटेल ने 2007 में करछना विधानसभा से प्रयागराज के मुख्यमंत्री कहे जाने वाले रेवती रमण सिंह के पुत्र उज्जवल रमण सिंह को हराकर सपा का किला ध्वस्त कर दिया था। जिससे उस समय दीपक पटेल पूरे प्रदेश में चर्चा में आ गए थे बहुत ही सरल व्यक्तित्व के धनी पूर्व विधायक दीपक पटेल सांसद केसरी देवी पटेल के मौजूद न रहने पर क्षेत्र से आई हुई जनता से स्वयं मिलते हैं। तथा उनकी समस्याओं को सुनते हैं व उसे तत्काल निस्तारित कराने के लिए प्रयासरत भी रहते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति अपनी समस्या को लेकर मेरे पास आएगा मैं उसकी समस्या को निस्तारित कराने का हर संभव प्रयास अवश्य करूंगा। 2022 के विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने की बात पर पूर्व विधायक दीपक पटेल ने कहा कि टिकट देना या ना देना यह पार्टी नेतृत्व का फैसला है। हम पार्टी नेतृत्व के हर फैसले का स्वागत करते हैं मेरा लक्ष्य है कि मुझे आजीवन जनता की सेवा करना है। सांसद मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने यह जानकारी दी है।

रोसड़ा पुलिस कर्मी को ट्रक ने कुचला मौके पर ही हो गई मौत

समस्तीपुर। रोसड़ा थाना क्षेत्र के रहुआ - डाकबंगला पथ पर ट्रैक्टर-ऑटो के टक्कर की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची रोसड़ा थाने की गश्ती दल के एक होमगार्ड जवान को बगल से गुजर रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल डाला जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के पटपारा निवासी 58 वर्षीय रामचंद्र राय के रूप में की गई है जो वर्तमान में रोसड़ा थाना में पदस्थापित थे और थाने की गाड़ी भी चलाते थे। बताया जाता है कि रहुआ - डाक बंगला पथ पर सोमवार की देर रात ट्रैक्टर और ऑटो में टक्कर की सूचना मिलते ही रोसड़ा थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बताया गया है की ऑटो सवार तीन लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गये थे। इस दौरान सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को पुलिसबल के द्वारा सड़क किनारे कराया जा रहा था तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर खड़े होमगार्ड जवान रामचंद्र राय को कुचलते हुए फरार हो गया। इस दौरान होमगार्ड जवान की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल

जरुरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

रानी नाडोल वाया विगंरला वरकाण को विधायक राणावत ने दी बड़ी सौगात

7 मीटर रोड चौड़ीकरण सुदृढ़ीकरण का किया शिलान्यास

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत बाली विधानसभा क्षैत्र के नाडोल से रानी खिमेल होते हुए फालना तक माननीय विधायक महोदय पुष्पेंद्रसिंह राणावत के अथक प्रयासों से स्वीकृत हुई जिसका आज माननीय पुर्व ऊर्जा मंत्री बाली विधायक पुष्पेंद्रसिंह राणावत मारवाड़ विधायक खुशवीरसिंह जोजावर देसूरी प्रधान संगीता कवर नाडोल सरपंच फूलकवर। आज नाडोल मैं बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत व मारवाड़ जंक्शन विधायक खुशवीर सिंह जोजावर द्वारा नाडोल से रानी की खिमेल फालना वाया बरकाना 7 मीटर रोड लड़ाई करण व सुदृढ़ीकरण का शिलान्यास किया। इस अवसर पर बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि आमजन की समस्या के लिए मैं हमेशा तैयार हूं एवं विकास के लिए कोई कमी नहीं आने दूंगा जहां भी जरूरत होगी वहां में हमेशा तैयार रहूंगा इस अवसर पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता सहायक अभियंता मौजूद रहे इस अवसर पर भाजपा नाडोल मंडल अध्यक्ष सतीश सोनी, देसूरी मंडल अध्यक्ष अशोक पुरी गोस्वामी प्रधान संगीता राजपुरोहित नाडोल सरपंच फुल कवर समाजसेवी, गुलाब सिंह राजपुरोहित, जिला मंत्री किसान मोर्चा अमरपुरी गोस्वामी, जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा वजा राम परमार, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, नारायण सिंह आकडावास, प्रधान प्रतिनिधि अमर सिंह राजपुरोहित,वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह राजपुरोहित, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रेम पुरी गोस्वामी ग्राम सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष जबर सिंह सोलंकी दादाई, शैतान सिंह चंपावत, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष मांगीलाल चौधरी, ओबीसी मोर्चा कांतिलाल मालवीय, एससी मोर्चा सरपंच सुकलाल मेघवाल, बडोद सरपंच गोविंद पुरी गोस्वामी, नारलाई सरपंच शेखर मीणा, महेंद्र बोहरा, रुपाराम चौधरी, जितेंद्र चौधरी, महेश बोहरा उपसरपंच भवानी सिंह राजपुरोहित, खीमेल सरपंच रमेश कुमार, भोपाल सिंह राजपुरोहित जोर सिंह चौहान गणपत जणवा, महेंद्र लोगेंशा, विक्रम सिंह राजपुरोहित, कार्तिक सिंह राजपुरोहित, हेमाराम चौधरी मिठालाल श्रीमाली, भुराराम मेघवाल, मोतीलाल धोखा, उपसरपंच रमेश चौधरी, देवाराम चौधरी, जगदीश चौधरी, राजू राव कोटडी, खीमराज प्रजापत, मोड सिंह, रुपाराम चौधरी, राहुल रावल, पूर्व सरपंच विश्वपाल सिंह मेड़तिया, नरसिंह राव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा द्वारा कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को बार बार परेशान करने को लेकर शांति पूर्ण धरना

संवाददाता/जकी अहमद / समस्तीपुर। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार तथा जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में ईडी एवं भारत सरकार द्वारा लगातार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को परेशान करने तथा को ईडी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गाँधी को बार–बार पेश होने का निर्देश देने के विरुद्ध एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना का आयोजन किया गया। धरना का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मो0 अबू तमीम ने किया। इस अवसर पर श्री तमीम ने इस परेशान करने की घटना को भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार के कायरता की संज्ञा दी और कहा कि अपने कुकृतों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह हत्कंडे अपना रही है। उसे यह मालुम होना चाहिए कि इस तरह के ओच्ची हरकतों से गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति तथा आम कांग्रेसी घबराने एवं विचलित होने वाला नहीं है। इस अवसर पर बोलते हिए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व महासचिव राम कलेवर प्रसाद सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के महान सपूतों में अग्रेजों से लड़कर देश को आजाद कराया, उसी प्रकार इन भ्रष्टाचारियों से भी देश को मुक्ति दिलाएगा। इस अवसर पर पूर्व सचिव अमित कुमार सिंह, जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष विजय शंकर शर्मा, राम उदगार महतो, जिला महासचिव मुकेश चौधरी, सुनील पासवान, बालमुकुन्द, आशुतोष कुमार, अब्दुल मालिक, कामेश्वर पासवान, रंजू कुमारी, मो0 मोहिउद्दीन, रितेश कुमार चौधरी, मो0 सोहैल सिद्दीकी, परमानन्द मिश्र, विश्वनाथ सिंह हजारी, अरुण कुमार राय, अनिल कुमार तिवारी, शिवम यादव, अमरेन्द्र कुमार, अशोक कुमार अकेला, मिर्जा काशिफ बैग, मो0 महफूज आलम, मो0 अफजल, मो0 सेराज अहमद अंसारी, राजीव कुमार रत्ना, राम शंकर राय, रंजन कुमार, अवधेश कुमार राय, जितेंद्र कुमार, संजीत कुमार, सहदेव पासवान, प्रमोद कुमार, अशोक पासवान, नौखेज आलम, मो0 रिजवी आदि लोग ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

रावणा राजपूत समाज के युवा नेता एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने 65 वीं बार रक्तदान किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान के भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय ब्लड बैंक में ब्लड की कमी चल रही हैं। जिसको देखते हुए अधिवक्ता पीरु सिंह गौड़ ने रक्तदान किया हैं। अधिवक्ता गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि रक्तदान एक पुण्य का कार्य है। रक्तदान कर किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। रावणा राजपूत समाज के युवा नेता एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने आमजन से अपील है कि जब भी मौका मिले वह रक्तदान अवश्य करे। इससे समय पर किसी की जान बचाई जा सकती हैं। गौरतलब हैं कि एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ समाजसेवा व जनहित के कार्यों में सबसे आगे रहते है तथा अदालत में भी हर किसी के अदालती कार्यवाही में उचित मेहनताने के लिए जाने जाते हैं। गौड़ ने कहा कि रक्तदान करने पर अपने आप को गोरवान्वित महसूस कर रहे है। उन्होंने कहा कि सभी को समय–समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए।

स्कूलों में बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया जाएं: शंखधार

संवाददाता/आसिम अजीज/सलीम खान

रामपुर। मिलक भारतीय किसान संघ रामपुर के जिला अध्यक्ष आदेश शंखधार के नेतृत्व में किसानों ने तहसील मिलक पहुंच कर उपजिलाधिकारी देवेन्द्र प्रताप के माध्यम से एक ज्ञापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजकर शिक्षा विभाग द्वारा अति शीघ्र प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को किताबें उपलब्ध कराए जाने की मांग की गई है। जिला अध्यक्ष आदेश शंखधार ने बताया कि जनपद रामपुर के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों का शैक्षिक सत्र 2022-23 जो कि दिनांक 01 अप्रैल 2022 से प्रारम्भ हो चुका है लेकिन अभी तक पूरे जनपद रामपुर के किसी भी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय में किसी भी प्रकार की कोई भी किताब नहीं पहुँच सकी है जिससे बच्चों का कोर्स लगभग चार माह पीछे पहुँच चुका है। जबकि सरकार की मंशा साफ है कि निपुण भारत के अंतर्गत बच्चा अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करे लेकिन जब बच्चों को समय से पुस्तकें ही उपलब्ध नहीं हो सकेंगी तो ऐसे में निर्धारित लक्ष्य को पूरा करना कैसे सम्भव होगा। अगर विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को शिक्षा विभाग शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने के चार माह पूरे होने तक पुस्तकें ही उपलब्ध नहीं करा पाता है तो बच्चे अपनी पढ़ाई किस प्रकार से पूरी कर सकेंगे। यह कहीं न कहीं शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही प्रतीत होती है जिससे कि देश के होनहार बच्चों का भविष्य अधर में होता दिखाई दे रहा है। इसलिए भारतीय किसान संघ रामपुर उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध करता है कि जनपद रामपुर के सभी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने बाले सभी बच्चों को सभी किताबें तथा शासन से मिलने वाली अन्य सभी सुविधाएं ससमय उपलब्ध कराई जाएं जिससे कि बच्चे ससमय उन योजनाओं का लाभ ले सकें। इस मौके पर ब्रह्मशंकर पाण्डेय, विमल सिंघल, अरविन्द गंगवार, हुलास राय, रमेश गंगवार, इकराम खां, भूरा आदि किसान मौजूद रहे।

मंत्री जी ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले पत्रकारों का भी ख्याल कीजिए: राठौड़

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में एक पत्रकार संगठन के हुए सम्मेलन में अभी हाल ही में 12 पत्रकारों के निरस्त भूखंडों के मामले को मंत्री रामलाल जाट के समक्ष उठाया गया। माननीय मंत्री रामलाल जाट ने निरस्त भूखंडों के मामले को गम्भीरता से लिया, भूखंड बहाली की कार्यवाही शुरू हुई। जो प्रयास बहुत सराहनीय हैं। जिले में आवासीय भूखंड एवं प्रेस कार्यालय हेतू भूखण्ड से वंचित शेष रहे पत्रकारों को भी भूखंड आवंटित हो इसके लिए भी शीघ्र कार्यवाही शुरू होगी ओर आवेदन मांगे जाएंगे। संगठन के सभी पदाधिकारी के प्रयास जल्द ही रंग लायेंगे। नगर पालिका क्षेत्र में तो भूखंड आवंटित करने की बात उठी हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में जान जोखिम डालकर काम कर रहे पत्रकारों की बात नहीं उठी है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पत्रकारों को तहसील स्तर पर या ग्राम पंचायत स्तर पर भी प्रेस भवन प्रस्थापना, आवासीय भूखंड निशुल्क या न्यूनतम रेट पर आवंटित कराए जाने की भी आवश्यकता है। ग्राम पंचायतों में जब बीपीएल परिवारों को व निराश्रित बेघर लोगों को निशुल्क भूखंड उपलब्ध कराए जा सकते हैं तो ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकार कौन से अमीरजादे है? ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों के हित की भी बात की जाए। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों के लिए भी आजीविका का साधन सिर्फ पत्रकारिता ही है। ऐसे में उनकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। सरकार के संज्ञान में लाया जाए कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में भी पत्रकार बसते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों की खबरों की वजह से चुनावी हवाओं को बल मिलता हैं। सरकारें बनती बिगड़ती हैं। देश

में 70 प्रतिशत आबादी गांवों में बसती है। तो शहरों से ज्यादा पत्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी निवास करते हैं। उनको भी शहरी पत्रकारों के जैसे संरक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ सरकारी सुविधाओं का लाभ जैसे चिकित्सा, शिक्षा, बीमा, रोडवेज निशुल्क आवागमन पास मिलना चाहिए। ग्रामीण पत्रकारों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। शहरी पत्रकारों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्र में बसने वाले पत्रकारों के हित के लिए नियमों में शिथिलता बरतते हुए सरकार को ग्रामीण पत्रकारों के लिए भी पॉलिसी जारी करनी चाहिए। जिससे ग्रामीण पत्रकार भी लाभान्वित हो सके। मंत्री जी हमारे विचारों से सहमत होकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के प्रयास करेंगे। वर्तमान सरकार के माध्यम से ही मंत्री जी यह सब काम करवाने के प्रयास कर सकते हैं ऐसी ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले पत्रकार मंत्री जी से उम्मीद रखते हैं। इस संबंध में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़ ने मंत्री रामलाल जाट व राजस्थान सरकार से ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले पत्रकारों को भी निशुल्क भूखण्ड दिलाए जाने की मांग की हैं।

मंत्री रामलाल जाट का भीलवाड़ा शहर में पत्रकारों की भूखण्ड संबंधित समस्या को गंभीरता से लेना सराहनीय कार्य है, मगर ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले पत्रकारों की अनदेखी नहीं की जाकर उनके लिए भी ऐसी समस्याओं की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है

भैरु सिंह राठौड़
प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान
प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट
भीलवाड़ा (राजस्थान)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चितौड़गढ़ के दिवाकर नगर में वृद्ध महिला की कुल्हाड़ी से दौनों पैर काटकर नृसंश हत्या, लोगों में आक्रोश

पुलिस की तत्परता से संदिग्ध आरोपी गिरफ्तार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। चितौड़गढ़ शहर के चामटी खेड़ा दिवाकर नगर में दिनदहाड़े एक मकान में घुसकर एक वृद्ध महिला की कुल्हाड़ी से दोनों पैर काट कर हत्या कर दी गई। हत्या के मामले में संदिग्ध एक व्यक्ति को पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए डिटेन किया है। संदिग्ध से घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, थाना अधिकारी मोती लाल, थाना अधिकारी थाना सदर तथा पुलिस की विशेष टीम की तत्परता से अपराधी को सीसीटीवी केमरा के सहयोग से जल्द कुछ मशक्त के बाद पकड़ लिया गया जो नजदीक ही किसी मकान की तीसरी मंजिल पर बाथरूम में जा छिपा था। दिन दहाड़े उक्त घटना की जानकारी फेलने पर नगर में सनसनी फेल गई। 21-22 वर्ष के युवक द्वारा पहले तो बार बार घुम कर मौका देखता रहा। फिर मौका पाकर घर के भीतर जाकर रस्सी से वृद्ध महिला गला दबाना, सोने चांदी की चोरी करना, चांदी की कड़ियों के लिए पैर ही कुल्हाड़ी से काट देना। मृतका के पुत्र के आ जाने से उसे ही धक्का देकर भाग निकलना, जिसे सीसीटीवी केमरा की सहायता से पकड़ा जाना। नगर में इस तरह की संगीन वारदात दिन में करीब डेढ़ दो बजे होना, इस तरह अपराधों का बढ़ना, अपराधियों में अपराध के खौफ समाप्त होना। बहुत ही चिंता का गंभीर विषय हैं। उक्त घटना की सूचना पुलिस को मिलते ही पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया एवं कोतवाली थानाधिकारी जाब्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। मृतका के पुत्र के अनुसार उसके घर पर पहुंचने के समय एक संदिग्ध व्यक्ति उसके घर से भागकर निकला, जो उसकी मां के पैरों में पहने चांदी के कड़ो को फेंककर भागने लगा, जिसे उसे पकड़ने की कोशिश की तो वह धक्का देकर घर से भाग निकला। उसने घर के अंदर जाकर देखा तो उसकी मां खून में लथपथ पड़ी थी, जिनके दोनो पैर कटे हुए थे। जिस पर पुलिस ने घटनास्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। सीसीटीवी फुटेज में घटना करने वाले व्यक्ति को गली में एक

मकान में जाते हुए देखा गया, जहां वह व्यक्ति एक तीन मंजिला मकान की छत पर बाथरूम में छिपा बैठा मिला, जो बाथरूम के दरवाजे को धक्का देकर भागने लगा, जिसे पुलिस ने बड़ी मशक्कत से पकड़ा। घटना में संदिग्ध व्यक्ति चाँदगढ़ थाना बड़लियास जिला भीलवाड़ा निवासी राकेश पिता बद्रीलाल को डिटेन कर कोतवाली थाना लाए जहां इससे पूछताछ कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक दुष्यंत ने मौके पर पहुंच संपूर्ण घटना की जानकारी ली। मौके पर एमओबी टीम व भीलवाड़ा से आई एफएसएल टीम ने भी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाश सिंह सांदू के निर्देशन में घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा मृतका चांदी बाई पत्नी प्रताप सालवी के शव को सामान्य चिकित्सालय ले जाया गया, जहां शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार किया गया। देर रात शहर के मोक्षधाम मे हुए अतिम संस्कार में सालवी समाज के अलावा नगर से अनेकों गणमान्य जन की मोजूदगी रही। दिन दहाड़े इस जघन्य हत्या की खबर सुनकर नगर के गणमान्य जन नरेंद्र पोखरना, भोलाराम प्रजापत, मनोज शर्मा, स्वतंत्र लेखक मदन सालवी औजस्वी, सालवी समाज ज़िला अध्यक्ष श्याम सालवी, पुर्व ज़िला अध्यक्ष हंसराज सालवी, चित्तौड़गढ़ दिवाकर नगर तथा शहर भर से अनको गणमान्य जन होस्पीटल पोस्टमार्टम स्थल पर पहुंचे तथा घटना गहरा आक्रोश प्रकट करते हुए अपराधी को रिमांड पर लेते हुऐ ओर भी जो कोई संलिप्तता हो को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की सेवी हैं। आम मेवाड सालवी समाज युवा महासभा के संरक्षक मदन सालवी औजस्वी एवं स्वतंत्र लेखक मदन सालवी औजस्वी ने इस घटना पर सरकार द्वारा उचित सहयोग एवं सहायता की मांग की गई हैं। औजस्वी ने बताया कि जिन वार्डों में अभी तक सीसीटीवी केमरा नहीं लगे हैं। वहां तत्काल ही सीसीटीवी केमरा लगाने तथा सुचारू नियंत्रण हों। इस जघन्य अपराध में अपराधी के पकड़ने में सीसीटीवी केमरा से बड़ा सहयोग रहा हे। ओजस्वी ने इस घटना के बाद बताया कि बढ़ते अपराधों को देखते हूए, महिलाएं बहिने अपने पेरो में चांदी की कडीयां तथा सोना चांदी पहनने, शरीर पर धारण करने के बजाय इस धन से अपने बच्चों को खूब पढ़ाए लिखाए, बेहतरीन रोजगार, प्रशिक्षण में खर्च करें, इस धन की राशी से अपने उधोग लगाए। शरीर पर सोना चांदी धारण करने के अंजाम ओर जघन्य अपराध, बहुत देखे जाने के बावजूद भी बावजूद हम गंभीर नहीं हैं। हम अपने बच्चों पर नजर भी बराबर बनाएं रखें, वह किस राह पर हैं, किस संगत ओर सोहबत में रहता हैं, उसकी पृवत्ति, तथा कामों पर यदि नजर नही रखा गया तो आपका अपना सब कुछ खाक हो सकता हैं। चित्तौड़गढ़ नगर में दिन दहाडे हुई इस वारदात जघन्य हत्या पर ओजस्वी ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि इस तरह के अपराधों की रोकथाम के लिए जो भी संभव हो सतर्कता के उपायों पर अमल हों। अपराधी को रिमांड पर लिया जाकर किये गये ओर अपराधों एवं संलिप्तता को उजागर कराते हूऐ, कडी से कडी सजा हों। उक्त जानकारी समाजसेवी एवं स्वतंत्र लेखक मदन सालवी औजस्वी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कानपुर में बकरीद के बाद मोहर्रम को भी सकुशल संपन्न करायेगीं पुलिस कमिश्नर की तैयारियां

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां बीती 3 जून को हुई हिंसा पर नियंत्रण पाते हुए हालातों को सामान्य करने में मिली सफलता के बाद बकरीद जैसे चुनौतीपूर्ण त्योहार और सावन माह को भी सकुशल शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सफल कमिश्नरेट पुलिस अब आगामी मोहर्रम के त्यौहार को भी सकुशल संपन्न कराने के प्रयास में लगातार जुटी हुई है। इसके पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा वह सभी आवश्यक तैयारियां करवा रहे हैं, जिससे मोहर्रम के चुनौतीपूर्ण इस त्यौहार को बकरीद की ही तरह शांतिपूर्ण और सकुशल तरीके से संपन्न कराया जा सके। अपनी नेतृत्व कुशलता के फलस्वरुप बीती तीन जून को हुई हिंसा पर पूर्ण नियंत्रण के साथ ही हालातों को भी सामान्य करते हुए बकरीद के त्योहार को भी शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न करा चुके जुझारू पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीना इसके लिए अपने मातहतों को आवश्यक आदेश निर्देश भी लगातार दे रहे हैं, क्योंकि प्रदेश के इस अति संवेदनशील महानगर में ईद बकरीद जैसे त्योहारों को शांति पूर्ण और सकुशल सम्पन्न कराना बहुत सरल नहीं माना जाता। खासकर तब जब बीती 3 जून को कानपुर जैसा संवेदनशील जनपद सांप्रदायिक हिंसा का शिकार हो चुका हो लेकिन इसके बाद भी देश प्रदेश के कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक यहां के जुझारू तेवरों वाले पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने अपनी विवेकशीलता, अपनी दूरदर्शिता, अपनी व्यवहार कुशलता और अपनी कर्मठता पूर्ण कुशल नेतृत्व क्षमता से बीती 3 जून को हुई हिंसा के खिलाफ पूर्ण नियंत्रण पाते हुए ना केवल शांति स्थापित की बल्कि बकरीद के त्यौहार के बाद सावन माह को भी सकुशल संपन्न करा रहे हैं। इसी क्रम में हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के तेजतर्रार, व्यवहार कुशल तथा कठोर परिश्रम वाले पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा अब आगामी मोहर्रम के त्यौहार को भी सकुशल संपन्न कराने के लिए लगातार कटिबद्ध है, जिसके फलस्वरूप बीते सभी त्योहारों की तरह मोहर्रम का त्यौहार भी सकुशल संपन्न होकर रहेगा।

बीती 3 जून को कानपुर में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर नियंत्रण और शांति बहाली में सफलता के बाद बकरीद की तरह मोहर्रम को भी सकुशल संपन्न कराना कम चुनौतीपूर्ण नहीं

हाजी बनकर वतन पहुंचे तो इस्तकबाल देख दम्पत्ति की आंखे हुई नम

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

देवगढ़, राजसमंद। देवगढ़ से पवित्र हज यात्रा पर गए मुस्लिम समाज के दम्पत्ति के डेढ़ महीने की हज यात्रा पूरी कर बुधवार को देवगढ़ लौटने पर दम्पत्ति का जोरदार इस्तकबाल किया गया जिसे देखकर उनकी आंखे नम हो गई। सऊदी अरब में हज यात्रा मुक्कमल कर लौटे रिटायर्ड नायब तहसीलदार हाजी ईकबाल मोहम्मद शैख उनकी पत्नी हज्जन इंसाफ बेगम के बुधवार सुबह देवगढ़ सूरज दरवाजा पहुँचने पर परिजनों, समाजबंधुओ एवं नगरवासियों ने फूल माला पहनाकर इस्तकबाल किया। इसके बाद सूरज दरवाजा से बैंड बाजे के साथ उन्हें जुलूस के रूप में खटीक मोहल्ला हजरत कुतुब अली दरगाह के पास स्थित उनके निवास तक पहुँचाया। डेढ़ महीने की यात्रा पूरी कर अपने वतन लौटे दम्पत्ति परिजनों एवं समाजबंधुओं से गले मिले तो उनकी आंखें नम हो गई ओर खुशियों के आंसू छलक गए। इस

दौरान मौलाना ईरशाद रजा, मौलाना खुर्शीद अहमद, पार्षद बबलू खान, हंसराज कंसारा, तोलाराम खटीक, अशोक कुमार जैन, जाफर खान फौजदार, हैदर हुसैन, आशिक शाह, मुराद अली, सरफराज अहमद, हकीम उस्ता, मुश्ताक शोरगर, चांद मोहम्मद, पूर्व पार्षद जावेद अहमद, रियाज शैख, टीपू सुल्तान, शहजाद हुसैन, फिरोज खान, मकसूद शैख, सादिक मोहम्मद, लाल मोहम्मद, शमसाद हुसैन, फय्याज मोहम्मद, फारुख शाह, शफी मोहम्मद, आजाद शाह, एहसान शाह, नोशाद अली, आदिल शैख, अफरोज शैख, नजीर कुरैशी सहित समाज के लोग मौजूद थे। ज्ञात रहे कि दम्पत्ति दिल्ली से 15 जून को हवाई जहाज से सऊदी अरब के लिए हज यात्रा पर रवाना हुए थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रात भर सोने नहीं देता कमर का दर्द तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अक्सर लोग सोचते हैं कि कमर दर्द का कारण बढ़ती उम्र है लेकिन ऐसा जरूरी नहीं। कई बार गलत तरीके से उठने-बैठने, चोट, खान-पान में गड़बड़ी, गर्भावस्था या फिर और भी बहुत कारणों से कमर में दर्द हो सकता है। कमर दर्द में पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव, स्नायुओं में अकड़न और तेज दर्द महसूस होता है। कभी-कभी यह दर्द नितंबों से पैरों तक भी पहुंच जाती है। एक जगह पर ही बैठे रहने से दिक्कत पहले से भी ज्यादा बढ़ सकती है। कोशिश करें कि हल्का-फुल्का काम करते रहें लेकिन शारीरिक गतिविधियों के बिल्कुल बंद भी न करें। कई बार सर्दी के कारण भी यह समस्या होने लगती है ऐसे में खुद को ठंड से बचाकर रखें।

क्यों होती है कमर दर्द

कमर मांसपेशियों,डिस्क,नसों और हड्डियों की जटिल संरचना है। इन घटकों में से किसी के साथ होने वाली समस्या से पीठ में दर्द होने लगता है। कई बार कमर में होने वाले दर्द के कारण पता लगाना मुश्किल हो जाता है। सामान्य से लेकर इसके गंभीर कारण भी हो सकते हैं।

किन लोगों को होती हैं इसकी अधिक समस्या

ज्यादा तर 45- 50 साल की उम्र के लोगों, शरीरिक कमजोरी,शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी से जूझ रहे लोगों में यह परेशानी होती है। अगर छोटी उम्र या फिर शरीर की किसी अंदरूनी समस्या के कारण अक्सर दर्द बना रहता है तो डॉक्टर के साथ संपर्क करके इसके कारण को जरूर जांचे। इसके अलावा भी इसके बहुत से कारण हो सकते हैं।

- रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर
- गुर्दें में सक्रमण
- भारी सामान उठाना
- जरूरत से ज्यादा काम करना
- बढ़ता वजन
- ऊंची एड़ी के सैंडल पहनना
- अचानक से झटके के साथ झुकना, आदि।

प्रैंग्नेंसी के बाद क्यों रहता है कमर में दर्द

बच्चे को जन्म देने के बाद अक्सर महिलाएं कमर में दर्द होने की शिकायत करती हैं।

गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय का आकार बड़ा हो जाता है। इस कारण मांसपेशियों में खिंचाव पैदा होता है, जिससे डिलीवरी के बाद यह खिंचाव ढीलेपन में बदल जाता है। जो कमर में दर्द का कारण बनता है। इसके अलावा हार्मोन में आया बदलाव और कमजोरी भी इसकी वजह हो सकती है।

कमर दर्द को कम करने के घरेलू उपाय

1. शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरी करने के लिए डेयरी प्रॉडक्ट और कैल्शियम से भरपूर आहार खाएं। रोजाना 2 गिलास दूध जरूर पीएं। इसके अलावा हड्डियों की कमजोरी कमर दर्द का सबसे बड़ा कारण हैं हड्डियों की कमजोरी को दूर करने के लिए रोज सुबह की धुप में 25 से 30 मिनट तक बैठे।
2. लहसुन के एंटीसैप्टिक गुण दर्द को कम करने में बेहद लाभकारी है। एक जार में 400 ग्राम लहसुन को बारीक काटकर इसमें 1 लीटर कच्चे सूरजमुखी का तेल डालकर बर्तन को अच्छे से बंद कर दें। इस बात का ध्यान रखें कि इस जार पर धूप न पड़े और लगातार 15 दिनों तक इसे हिलाते रहें। इसके बाद छान कर इस तेल को निकाल लें और लगातार 60 दिनों तक इस तेल की रोजाना सुबह शाम मालिश करने से कमर दर्द ठीक हो जाता हैं।
3. कमर में लगातार अकडन.बनी रहती है तो गुनगुने पानी में सेंधा नमक डाल कर नहाएं। इससे बहुत आराम मिलेगा।
4. तवे पर अजवाइन को हल्का-सा भून लें फिर इसे चबाकर खाएं। इससे भी कमर दर्द धीरे-धीरे ठीक हो जाता है।
5. सर्दी के कारण कमर का दर्द सता रहा है तो एक सूखी अंजीर,एक सूखी खुबानी और पांच सूखे आलूबुखारे रात को सोने से पहले चबाकर खाएं। इस उपाय से कमर का दर्द कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएगा।
6. कमर दर्द में आराम पाने के लिए एक चम्मच शहद में दालचीनी पाउडर की एक ग्राम मात्रा मिलाकर सुबह शाम दिन में दो बार खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।
7. गर्म पानी की सिकाई करने से भी दर्द से जल्द राहत मिलती है।

अगर आपको लगातार कमर दर्द की शिकायत रहती हैं तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। यह किसी गंभीर बीमारी का भी संकेत हो सकता है। एक बार डॉक्टरी जांच जरूर करवाएं।

पुरुषों को भी पता होनी चाहिए मॉइश्चराइजर से जुड़ी कुछ बातें

लड़कियां हो या फिर लड़के हर कोई चाहता है कि उनकी स्किन परफैक्ट होनी चाहिए। औरतों के मुकाबले पुरुषों की त्वचा ज्यादा सख्त होती है इसलिए उन्हें केयर की भी ज्यादा जरूरत होती है। बाहरी वातावरण की गंदगी से त्वचा को बचाए रखने के लिए स्किन को समय-समय मॉइश्चराइज करना बहुत जरूरी होता है। पुरुष अगर पहले से ही किसी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं तो पहले कुछ बातों के बारे में जान लेना बहुत जरूरी है।

1. त्वचा के अनुसार हो मॉइश्चराइजर

हर किसी की स्किन एक जैसी नहीं होती। कुछ लोग ऑयली तो कुछ रूखेपन से परेशान होते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि आप कोई भी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर लें। अपनी त्वचा के हिसाब से ही मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे आपको बहुत फायदा मिलेगा। आजकल बाजार में मैन स्पैशल बहुत से मॉइश्चराइजर बाजार में आसानी से मिल जाते हैं।

2. मॉइश्चराइजर करता है त्वचा को सुरक्षित

मॉइश्चराइजर आपकी स्किन को बाहरी रूप से सुरक्षा देता है लेकिन इसे अंदरूनी रूप से तंदुरूस्त बनाए रखना भी बहुत जरूरी है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इससे त्वचा में नैचुरल नमी आनी शुरू हो जाएगी।

3. रात के समय जरूर लगाएं मॉइश्चराइजर

कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ घर से बाहर निकलते समय ही मॉइश्चराइजर लगाना जरूरी होता है लेकिन रात के समय भी इसे अप्लाई करने से फायदा मिलता है।

4. शेविंग के बाद हमेशा लगाएं मॉइश्चराइजर

कुछ पुरुषों को रोजाना शेविंग करने की जरूरत पड़ती है। इससे त्वचा में रूखापन आना आम बात है। इसे दूर करने के लिए मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

5. एसपीएफ युक्त होना चाहिए मॉइश्चराइजर

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करने से पहले इस बात की जांच जरूर कर लें कि यह एसपीएफ युक्त जरूर हो।

मोटापे से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं एक्यूप्रेशर तकनीक

मोटापे से परेशान लोग वजन घटाने के लिए व्ययाम, योगा, खाने पर कंट्रोल क्या कुछ करते हैं। कुछ लोग जिम जा कर घंटो एक्सरसाइज करके पसीना बहाते हैं। कई बार ज्यादा देर जिम करने से कई तरह की शरीरिक प्रॉब्लम भी शुरू हो जाती है। ऐसे में वजन घटाने के लिए आप एक्यूप्रेशर तकनीक को भी अपना सकते हैं। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें शरीर के बिंदुओं को दबाना होता हैं। जिससे आपको भूख कम लगेगी और आपके वजन पर भी कंट्रोल होगा। मानव शरीर पर ऐसे बिंदु होते है जिसे दबाने से कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है और मोटापे को भी कम किया जा सकता है।

1. कान

कान के पास के बिंदु को दबाने से भूख पर कंट्रोल होता है और जरूरत से ज्यादा खाने की आदत से छुटकारा होता हैं। एक्यूप्रेशर तकनीक अपनाते हुए कान के पास फ्लैप हिस्से को दो से तीन मिनट तक दबाना होगा। वैसे तो आप इस तकनीक को सुबह या शाम किसी भी वक्त अपना सकते हैं, लेकिन सुबह के समय इस हिस्से को दबाना ज्यादा बढ़िया रहेगा।

2. हाथ

हथेलियों पर इस तकनीक को अपनाने के लिए अंगूठे के पास वाले उभरे हिस्से को प्रतिदिन दो मिनट तक दबाना होगा। इसे दबाने से आपका डाइजेशन इंप्रूव होगा और बहुत ही तेजी से वजन घटना शुरू होगा।

3. पैर

पैर पर इस तकनीक को अप्लाई करने के लिए एंकल प्वांइट मतलब एड़ी के ऊपर वाले हिस्से की हड्डी के पीछे की ओर यहां पर खत्म होती है। उसे अपने हाथ की उंगली और अंगूठे से दबाने से भूख पर कंट्रोल होगा जिससे वजन भी कम होगा।

4. पेट

अगर आप पेट के मोटापे से परेशान है तो आप अपनी नाभि से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो उंगलियों से कुछ मिनट तक प्रेशर दें। ऐसा करने से आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा।

5. कोहनी

मोटापे पर काबू पाने के लिए आप अपनी कोहनी के जोड़ ऊपरी हिस्से को पांच से सात मिनट तक दबाएं। इस प्रक्रिया को आप दोनो साइड दोहरा सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

टाइगर और दिशा के रिश्ते में आई दरार

टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी बीते 6 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन अब इन दोनों ने अपने रिश्ते को खत्म कर लिया है। टाइगर और दिशा को अक्सर साथ में कई बार टाइम स्पेंड करते देखा जा चुका है। टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी का इस तरह से अलग हो जाना फैंस के लिए किसी झटके से कम नहीं है। दिशा और टाइगर बीते 6 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। हाल ही में टाइगर के एक दोस्त ने दोनों के अलग हो जाने की बात को कन्फर्म किया है। टाइगर के दोस्त का कहना है कि उन्हें खुद कुछ हफ्तों पहले ही दोनों के अलग होने की जानकारी मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, दोनों के बीच पिछले 1 साल से चीजें ठीक नहीं चल रही थी और अब तो दोनों ने पूरी तरह से अपने रिश्ते को खत्म कर लिया है। खबर तो यहां तक आ रही है कि इस साल की शुरूआत में ही दोनों ने ब्रेकअप कर लिया था। जबसे फिल्मी गलियारों में टाइगर और दिशा के ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही है, तबसे हर कोई यही जानना चाहता है कि आखिर दोनों ने ब्रेकअप क्यूं किया। 6 साल तक इस खूबसूरत रिश्ते में रहने के बाद आखिर ऐसा क्या हुआ कि दोनों ने अपना रिश्ता ही खत्म कर लिया। हालांकि अभी तक टाइगर और दिशा के ब्रेकअप की वजह सामने नहीं आ पाई है। अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि दोनों के बीच आखिर क्या हुआ कि बात ब्रेकअप तक पहुंच गई।

पति विक्की कौशल से नाराज है कटरीना कैफ

खबरों की मानें तो बॉलीवुड की टाइग्रेस कटरीना पति विक्की कौशल से नाराज है। एक मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कटरीना कैफ अपने एक्स रणबीर कपूर की वजह से पति विक्की कौशल से नाराज है। रणबीर कपूर जल्द कैटरीना कैफ के पति और एक्टर विक्की कौशल की फिल्म में दिखाई देंगे। बता दें कि, विक्की कौशल लंबे समय से अपनी फिल्म 'गोविंदा मेरा नाम' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह अहम रोल में दिखेंगे। यह एक फैमिली कॉमिडी ड्रामा फिल्म होगी और इसे करण जौहर प्रड्यूस करेंगे। करण जौहर ने बीते साल ही फिल्म से किरदारों के तीन अलग अलग पोस्टर्स शेयर किए थे। फिल्म में विक्की के साथ कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर भी नजर आएंगी। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर कपूर का भी इस फिल्म में कैम्यो रोल होगा। फिल्हाल इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन ऐसा होता है तो यह रणबीर के साथ विक्की की दूसरी फिल्म होगी। आपको बता दें कि इससे पहले दोनों साल 2018 में आई संजू में नजर आए थे। वहीं दूसरी ओर मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि कैटरीना इस डील से बिल्कुल खुश नहीं।

15 साल पुराने केस में शिल्पा शेट्टी को मिली बड़ी राहत

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। शिल्पा का विवादों से पुराना नाता रहा है। प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ में काफी उतार-चढ़ाव देखे है लेकिन वह हमेशा ही पॉजिटिव रहकर सभी विवादों से अपना पीछा छुड़ाया है। मगर एक विवाद है जो पिछले 15 सालों से एक्ट्रेस का पीछा छोड़ने का नाम नहीं ले रहा है। यह विवाद हॉलीवुड एक्टर रिचर्ड गेरे से जुड़ा हुआ है। हालांकि अब 15 साल बाद शिल्पा को इस विवाद से राहत मिल गई है। एक्ट्रेस ने अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाने वाले इस मामले में अपने खिलाफ दायर याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए अदालत का रुख किया है। इस याचिका में उन्हें केस से बरी करने के मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी गई थी। बता दे कि साल 2007 में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अवेयरनेस प्रोग्राम में शिरकत की थी। इस प्रोग्राम में रिचर्ड गेरे भी शामिल हुए थे। इवेंट के दौरान रिचर्ड गेरे स्टेज पर शिल्पा शेट्टी को बार-बार गले लगाते और एक्ट्रेस को किस करते नजर आए थे। उस वक्त इस बात पर हंगामा मच गया था। इतना ही नहीं लोगों ने दोनों के खिलाफ अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस में केस दर्ज कराया था। गौर करने वाली बात ये है कि 15 साल पहले शिल्पा के खिलाफ अश्लीलता फैलाने के आरोप में राजस्थान में दो और गाजियाबाद में एक केस दर्ज करवाया गया था। केस दर्ज होने के दस साल बाद अभिनेत्री ने याचिका दायर कर इस केस को मुंबई में ट्रांसफर करने की अपील की थी। जिसके बाद केस मुंबई की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ट्रांसफर हो गया था। मुम्बई की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने शिल्पा शेट्टी को सभी आरोपों से बरी कर दिया था।